अधिकतम तापमान 29.0⁰
न्यूनतम तापमान 19.0⁰
सूर्यास्त (आज) 06:18
सूर्योदय (कल) 05:57

राहु काल
प्रातः 09.00 से 10.30 बजे तक

आगे पढ़ें---
फुटबाल में उत्तरकाशी यूएसनगर, देहरादून पौड़ी जीते
खबर पेज 10 पर

माहरा का मोह भी नहीं छोड़ पा रही है कांग्रेस

नवल जोशी

लोहाघाट विधानसभा सीट

- राज्यसभा सदस्य माहरा इस समय भी विधानसभा में सक्रिय
- कांग्रेस में जिपं अध्यक्ष खुशाल सिंह अधिकारी समेत कई दावेदार
- भाजपा के फर्त्याल की दावेदारी को लेकर नहीं है कोई संशय

लोहाघाट (चंपावत)। महेंद्र सिंह माहरा को राज्यसभा में भेजने के बाद से कांग्रेस लोहाघाट विधानसभा को लेकर उलझी हुई है। इसी उलझन में कांग्रेस माहरा को इस सीट पर सक्रिय किए हुए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस में कई और दावेदार यहां से किस्मत आजमाने के लिए बेकरार हैं। भाजपा के पूरन सिंह फर्त्याल ने 2012 में कांग्रेस का दस साल का दबदबा इस सीट पर तोड़ा था। दावेदारियां सामने आने के बाद भी माना जा रहा है कि भाजपा इस बार भी फर्त्याल पर ही भरोसा करेगी। चुनाव की तैयारी में जो हालात उभर कर सामने आ रहे उनसे यह भी जाहिर हो रहा है कि इस सीट पर इस बार चुनाव में बागी भी खुलकर मैदान में होंगे।

नेपाल सीमा से लेकर अल्मोड़ा, नैनीताल और पिथौरागढ़ से लगी इस सीट की चाभी मुख्य रूप से लोहाघाट क्षेत्र के पास है। इस नब्ज को सभी दल और दावेदार बखूबी पकड़ रहे हैं। अपनी सियासी गतिविधियों को यहां केंद्रित रखे हुए हैं। कांग्रेस ने बीते तीनों विधानसभा चुनाव में हर बार महेंद्र सिंह माहरा को टिकट दिया। इस बार हालात बदले हुए हैं। माहरा को मार्च 2012 में राज्यसभा भेजा गया है। इतना होने पर मुख्यमंत्री हरीश रावत के खासे नजदीक माहरा का मोह कांग्रेस ने छोड़ा नहीं है। माहरा क्षेत्र में लगातार सक्रिय है। जिला पंचायत अध्यक्ष खुशाल सिंह अधिकारी, पाटी ब्लाक की राजनीति में दो दशक से दबदबा रखने वाले पूर्व ब्लाक प्रमुख लक्ष्मण सिंह लमगड़िया और उक्रांद से छह साल पहले कांग्रेस में आए दमदार नेता नवीन मुरारी खासे सक्रिय हैं।

भाजपा में टिकट को लेकर ज्यादा संशय नहीं है। दस साल तक कांग्रेस के कब्जे में रही सीट को पहली बार भाजपा की झोली में डालने वाले विधायक पूरन सिंह फर्त्याल को लगातार दूसरी बार टिकट मिलना तय माना जा रहा है। भाजपाई भी यह मान रहे हैं और इस वजह से अन्य दावेदार फिलहाल चुप हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां मात्र तीन प्रत्याशी थे। तब बसपा के उम्मीदवार की जमानत जब्त हुई थी। अब भी बसपा का संगठन ढीलाढाला होने से वह किसी के लिए चुनौती नहीं है। 2002 के चुनाव में कांटे की टक्कर देने वाली उक्रांद ने तो पिछले चुनाव में प्रत्याशी तक नहीं उतारा था। पिछले बार किसी पार्टी का कोई बागी मैदान में नहीं था। मगर इस बार अब तक के संकेतों के हिसाब से बागियों की आमद की संभावना है।

विधानसभा चुनाव 2012 के नतीजे

- विजयी-पूरन सिंह फर्त्याल (भाजपा) प्राप्त मत-30429
- रनर अप-महेंद्र सिंह माहरा (कांग्रेस) प्राप्त मत-18894
- तीसरे नंबर पर-गोविंद पांडेय (बसपा) प्राप्त मत-2187

विधानसभा चुनाव 2007 के नतीजे

- विजयी-महेंद्र सिंह माहरा (कांग्रेस) प्राप्त मत-15433
- रनर अप-कृष्ण चंद्र पुनेठा (भाजपा) प्राप्त मत-13823
- तीसरे नंबर पर - ललित मोहन पांडेय (निर्दलीय) प्राप्त मत-4635

जौलासाल मामला

अपराधियों के डेरे पर दो मोबाइल नेटवर्क मिले

- जांच टीम सर्विलांस के जरिए सुरागरसी में लगी
- भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी को किया अलर्ट

हल्द्वानी/बनबसा। जौलासाल जंगल में जहां पर हथियार बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही थी, वहां और आसपास केवल दो दूरसंचार कंपनियों के मोबाइल नेटवर्क आ रहे थे। अब इन्हीं नेटवर्क पर पुलिस की नजर टिक गई है। सर्विलांस के जरिए जांच एजेंसियां कौन-कौन, कब-कब बात कर रहा था इसका रिकॉर्ड खंगालने में लगी हैं। जौलासाल जंगल और हंसपुर खत्ता में एसओटीएफ और वन विभाग की टीम ने डेरा डाला है।

वनाधिकारियों के अनुसार शुक्रवार को भी इन टीमों ने आसपास के इलाके में सर्च अभियान चलाया है। इसके अलावा जंगल को जाने वाले मार्ग पर जो गांव पड़ते हैं, वहां भी खोजबीन और जानकारी जुटाने में सुरक्षा एजेंसियां लगी हैं।

उधर, जौलासाल के जंगलों में हथियार बनाने के औजार बरामद होने के बाद नेपाल सीमा पर एसएसबी को भी सतर्क किया गया है। एसएसबी 57वीं वाहिनी के असिस्टेंट कमांडेंट गौतम सागर ने बताया कि जौलासाल रेंज बनबसा के पश्चिमी छोर पर स्थित किलपुरा रेंज और शारदा रेंज की सीमाओं से लगा है। हथियार बनाने वाले लोग पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए बनबसा टनकपुर के रास्ते घने जंगली क्षेत्र से नेपाल निकल सकते हैं। इसके चलते एसएसबी कमांडेंट राना ने एसएसबी की नेपाल सीमावर्ती सभी बीओपी को खासा सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

कमांडेंट के निर्देश पर भारत-नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एसएसबी 57वीं वाहिनी एफ और डी कंपनियों के जवान डॉग स्क्वायड के साथ सीमा पर चौबीस घंटे पेट्रोलिंग में जुटे हैं। **ब्यूरो**

नेपाल पुलिस ने एक क्विंटल जड़ी पकड़ी

अमर उजाला ब्यूरो

- नेपाल से भारत की ओर लाई जा रही थी जड़ी
- पांच बोरों में भरी इस जड़ी की कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई

झूलाघाट (पिथौरागढ़)। नेपाल के जुलाघाट थाना पुलिस ने नेपाल से भारत की ओर ले जाई जा रही एक क्विंटल सीमल जड़ी बरामद की है। इस जड़ी का उपयोग सुगंधित पदार्थ बनाने में होता है। पकड़ी गई जड़ी की कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई। यह जड़ी पांच बोरों में भरी हुई थी। तस्करी में लिप्त एक भारतीय सहित तीन लोगों को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी लोगों को पूछताछ के लिए जिला पुलिस मुख्यालय बैतड़ी भेजा गया है।

जुलाघाट पुलिस से मिली सूचना के अनुसार बृहस्पतिवार शाम मुखबिर की सूचना पर नेपाल पुलिस के जवानों ने सेरा से दार्चुला की ओर जा रहे तीन लोगों को संदेह के आधार पर रोका। यह तीनों एक गधेरे के पास छिपकर बैठे थे। इनकी तलाशी ली गई। तलाशी में पांच बोरों में छिपाकर ले जाई जा रही करीब एक क्विंटल बहुमूल्य सीमल जड़ी बरामद हुई।

प्रहरी उपनिरीक्षक चक्रदेव पांडे ने बताया कि जड़ी को नेपाल में बेचने में पूरी तरह प्रतिबंध है। इसकी कीमत बाजार में 25 लाख रुपये है। तीनों आरोपी गेठिगाड़ा (पिथौरागढ़) निवासी उद्धव राम टम्टा, नेपाल के सेरा निवासी कालीचरण और डंबर कोहली के खिलाफ फारेस्ट एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जड़ी को जब्त कर लिया गया है।

मानवीय हस्तक्षेप से जलवायु बदलाव में तेजी

वृक्ष रेखा के खिसकने से जड़ी-बूटियों के विलुप्त होने का खतरा

भक्त दर्शन पांडेय

बागेश्वर। हिमालयी क्षेत्र में तेजी से मौसम परिवर्तन हो रहा है। जहां एक ओर तेजी से ग्लेशियर पिघल रहे हैं उसी गति से वृक्ष रेखा भी हिमालय की ओर खिसक रही है। इससे पर्यावरण के पैरोकारों को भी चिंता में डाल दिया है। पर्यावरणविद् हिमालयी क्षेत्र में आ रहे इस परिवर्तन के लिए प्राकृतिक कम बल्कि मानव हस्तक्षेप को अधिक जिम्मेदार मान रहे हैं।

पिछले दो दशकों में तराई-भाबर, मध्य हिमालय से लेकर उच्च हिमालयी क्षेत्र तक के मौसम में बड़ा बदलाव आया है। कार्बन उत्सर्जन के कारण तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इतना ही नहीं अध्ययनकर्ताओं के अनुसार कम बर्फबारी के कारण अल्पाइन ग्लेशियरों के बनने में भी बड़ी कमी देखी गई है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिस तेजी से बर्फ पिघल रही है उसी तेजी से वृक्ष रेखा भी हिमालय की ओर बढ़ रही है। हिमालयी क्षेत्र के जिन गांवों में पहले संतरे सहित नींबू प्रजाति के फलों का उत्पादन होता था, आज वहां पर आम और अमरूद पैदा हो रहे हैं। इसका असर भविष्य में जड़ी-बूटियों पर भी पड़ेगा। यदि वृक्ष रेखा ऐसे ही बढ़ती रही तो कई वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। मौसम में आए बदलाव के कारण ही गर्मियों में तापमान में तीन से पांच डिग्री सेंटीग्रेड की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हिमालय के अध्ययनकर्ता डॉ. शेखर पाठक का कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में अंधाधुंध निर्माण कार्यों के कारण प्रकृति को अधिक नुकसान हुआ है। सड़कें बनाने के लिए अंधाधुंध विस्फोटकों का प्रयोग किया गया। इससे सैकड़ों की संख्या में पेयजल स्रोतों का पानी सूख गया। बिजली के लिए हिमालय के नजदीक बड़े बांधों का निर्माण किया गया। पहाड़ में तेज और कम बारिश होना इसी का परिणाम है। हिमालय को बचाने के लिए पर्वतीय क्षेत्र में माइनिंग, पेड़ों के कटान, बड़े बांधों के निर्माण पर पाबंदी लगनी चाहिए। डॉ. पाठक का कहना है कि नेचुरल मौसम परिवर्तन एक क्रम से होता है, लेकिन मानव जनित क्रियाकलापों ने क्लाइमेट चेंज की रफ्तार जिस तरह से बढ़ाई है, वह बेहद चिंतनीय है।

मैं हिमालय हूं...यह कहते हुए अब मुझे सोचना पड़ रहा है। हे मानव! देख मेरा सीना काला पड़ने लगा है। मेरी सांस भी अब धीरे-धीरे उखड़ने लगी है। तुम्ही मुझे बचा सकते हो...कुछ करो...जागो...मुझे बचा लो।मुक्तेश्वर (नैनीताल) स्थित डांक बंगले से ली गई हिमालय की तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है मानो यह ऊंचा पर्वत यही पुकार लगा रहा है। **फोटो : भूपेश कन्नोजिया।**

ग्लोबल वार्मिंग मौसम परिवर्तन की मुख्य वजह

विश्व स्तर कल कारखानों और अन्य तरह के कार्यों से होने वाले प्रदूषण आदि का असर पूरे विश्व पर पड़ता है। अगर हम उत्तराखंड क्षेत्र विशेष के मौसम में परिवर्तन महसूस करते हैं तो इसकी वजह देश के अन्य इलाकों अथवा दूसरे देशों में होने वाले पर्यावरण असंतुलन संबंधी मानवजनित कार्य भी हो सकते हैं। **-डॉ. पीपी ध्यानी, निदेशक, पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण सतत विकास संस्थान**

नौ राज्य कर रहे जलवायु में बदलाव के असर पर अध्ययन

अल्मोड़ा (दीप जोशी)। जलवायु परिवर्तन का असर ग्लेशियरों और हिमालय की नदियों पर भी पड़ रहा है। इसके अध्ययन के लिए जून 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल मिशन ऑन हिमालयन स्टडीज की शुरुआत की। केंद्रीय वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन की ओर से इसकी जिम्मेदारी जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल अल्मोड़ा को सौंपी गई है। इसके तहत देश के नौ हिमालयी राज्यों में 27 शोध परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। उत्तराखंड के तमाम इलाकों में अतिवृष्टि और बादल फटने से हर साल भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। गर्मियों में तापमान काफी बढ़ रहा है तो जाड़े में असामान्य ठंड पड़ती है। इस सबका असर हिमालय क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है। इस बार जाड़े के सीजन में पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ जाने के कारण हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी काफी कम हुई, जिससे ग्लेशियरों में पर्याप्त बर्फ जमा नहीं हो सकी। इसी तरह असामान्य मौसम और भूस्खलन की घटनाओं के कारण ग्लेशियर पीछे भी खिसक रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि शनिवार को होने जा रहे जीबी पंत राष्ट्रीय संस्थान के स्थापना दिवस के मौके पर जमा हो रहे वैज्ञानिक इन सब चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान के निदेशक डॉ. पीपी ध्यानी ने बताया कि इस मिशन की स्थापना के बाद हिमालय क्षेत्र में विभिन्न तरह के आंकड़े जुटाने के लिए उत्तराखंड समेत देश के नौ हिमालयी राज्यों में 27 शोध परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कैलाश भू क्षेत्र में पर्यावरण और विकास के लिए भारत, चीन, नेपाल मिलकर काम कर रहे हैं। इस परियोजना के अंतर्गत भारत की ओर से पिथौरागढ़, बागेश्वर जिलों के सीमांत क्षेत्रों में काम चल रहा है।

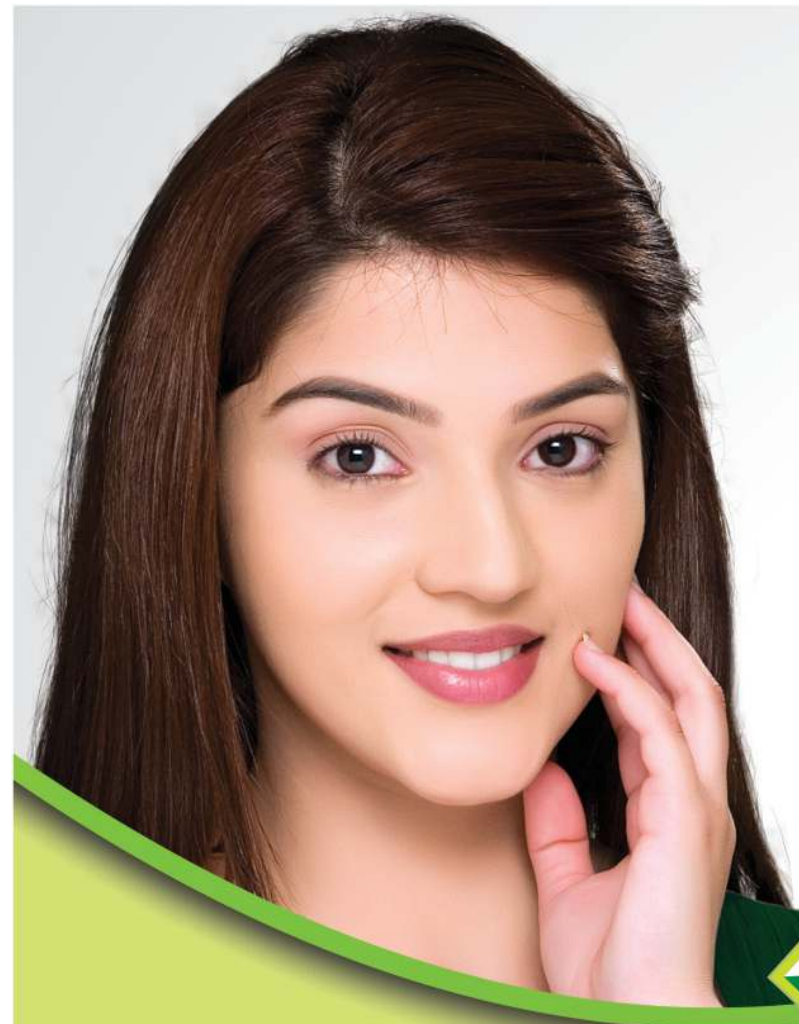

WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA
INDIA'S MOST TRUSTED BRAND Consumer Validated 2015 Voted by Indian Consumers
SELECTED NO.1 BRAND INDIA 2014 Consumer Survey Report, MRG 2014
WORLD BRAND SUMMIT DUBAI 2016 (Ayurvedic OTC Products) Conducted by: World Brands Review Corporation Most Trusted Brand of Asia 2016

सिर्फ़ हल्दी, चन्दन ही नहीं "रुप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम" में है एलोवेरा, द्राक्षा, तुलसी, और मुलेठी जैसी अन्य 12 जड़ी-बूटियों का अद्वितीय संतुलित मिश्रण, जो आपके चेहरे की त्वचा का रंग भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है। यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके रंग को साफ़ रखने में मदद करता है।

Sandal Sandal Sandal Sandal

New Dr. Juneja's
Roop Mantra
Ayurvedic Cream, Capsules, Soap & Herbal Face Wash

मैं शिवानी शेट्टी पुत्री स्व. श्री गणेश शैट्टी, चंडीगढ़ की रहने वाली हूं। पिछले काफी समय से मेरे चेहरे का रंग सांवला और स्किन बहुत ऑयली हो गई थी। जिसके लिए मैंने क्या-क्या उपचार नहीं किया... महंगी से महंगी कॉस्मैटिक क्रीम लगाई, लेकिन आराम आना तो दूर, सारा पैसा और टाईम बेकार गया। फिर एक दिन मैंने टीवी पर आयुर्वेदिक रूप मंत्रा का एड देखा, इससे पहले मेरी सहेली ने भी मुझे इसके बारे में बताया था। मैं इसे बाजार से ले आई और दिन में दो बार रूप मंत्रा हर्बल फेस वॉश से चेहरा धोकर रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम लगाई, साथ ही साथ ब्लड प्योरीफायर रूप मंत्रा कैप्सूल एक सुबह एक शाम पानी के साथ लिए। अभी मुझे इनका इस्तेमाल करते हुए तीन हफ्ते ही हुए हैं लेकिन मेरे चेहरे की स्किन मुलायम और ऑयल फ्री हो गई है। आई एम वैरी थैंकफुल एंड हैप्पी।

मैं विपाशा सूद पुत्री श्री संदीप सूद, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) की रहने वाली हूं। मेरे चेहरे की त्वचा सैंस्टिव है। इसलिए मैं चेहरे पर कोई भी क्रीम, लोशन इस्तेमाल करने से बहुत डरती हूँ। इसी दौरान मेरे पिता जी जोकि एक कैमिस्ट हैं, उन्होंने मेरी सिस्टर अमिशा को रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम और रूप मंत्रा हर्बल फेस वॉश लाकर दिया। सिर्फ कुछ ही दिनों में अमिशा के चेहरे पर आए अनबिलिवेबल पॉजिटिव चेंजिज़ से मैं हैरान रह गई। उसके बार-बार रिकोमेंड करने से मैंने भी रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम दिन में दो-तीन बार लगानी शुरू की। यह क्रीम लगाते ही चेहरे की स्किन बहुत बेहतर और अच्छी लगती है। इतना ही नहीं, इसके आयुर्वेदिक गुण तो सिर्फ इसे लगाने से ही पता चल जाते हैं। मैं खुश हूँ कि मुझे व अमिशा को रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम ने इतने बेहतर परिणाम दिए।

मैं रोहित कोचर पुत्र श्री सतीश कोचर (उम्र 25 वर्ष), कृष्ण नगर, नई दिल्ली का रहने वाला हूं। मॉडलिंग और एक्टिंग मेरा सपना है। लेकिन कुछ महीनों पहले मेरा चेहरा ऑयली नज़र आने लगा, साथ ही चेहरे पर पिम्पल्स भी हो गए। जिसके कारण मैं बहुत परेशान रहने लगा था। मुझे लगता था जैसे किसी ने मुझसे मेरा सब कुछ छीन लिया हो। फिर एक दिन मेरी एक फ्रेंड ने मुझे रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम, कैप्सूल एवं फेस वॉश के कंप्लीट ट्रीटमेंट के बारे में बताया। मैंने सोचा लड़कियों को फायदा होता होगा, पर उनकी हैल्पलाईन नंबर 0171-3055111 पर बात करने से मेरी आँखें खुल गई। मैंने उसी दिन से रूप मंत्रा आयुर्वेदिक प्रोडॅक्टस का एक महीने तक प्रयोग किया। बस एक ही बात कहूँगा वाह, वाह, वाह, गज़ब के रिजल्टस। रूप मंत्रा कंपनी से जुड़े हर शख्स का दिल से धन्यवादी हूँ।

यह चित्र भेजा है अल्का पुत्री श्री ज्ञान चन्द निवासी धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) ने। चित्र के साथ भेजे अपने अनुभव पत्र में अल्का कहती हैं कि वह जॉब करती हैं, आफिस में आने-जाने के दौरान पोल्यूशन या फॉस्ट-फूड खाने से इनकी स्किन रूखी व बेजान होने लगी थी। जिसके लिए इन्होंने कई प्रकार की महंगी अंतर्राष्ट्रीय फेस क्रीम्स लगाईं। इनका कहना है कि यह जब भी कुछ नया ट्राई करती तो बस कुछ दिनों के लिए ही फर्क रहता था। उसके बाद क्रीम का कोई असर नहीं दिखता था। एक दिन इन्होंने टीवी पर आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ट्रीटमेंट विज्ञापन देखा। वह उसी दिन बाजार से इसे ले आई। इन्होंने कैप्सूल एवं फेसवॉश का प्रयोग भी किया एवं रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम को दिन में दो बार प्रयोग किया। अल्का जी लिखती हैं कि रूप मंत्रा से इनके चेहरे पर स्थाई ग्लो एंड फील आया है।

यह चित्र भेजा है पूजा हरनल पुत्री श्री नरेश कुमार हरनल निवासी गाजियाबाद (उ.प्र.) ने। चित्र के साथ भेजे अनुभव लैटर में वह लिखती हैं कि वह अपने चेहरे पर पिम्पल्स से काफी परेशान थी और डरती थी कि कहीं इन्हें छेड़ने से चेहरे पर पक्के निशान न पड़ जाए। पूजा बताती हैं कि इन्होंने काफी कॉस्मेटिक क्रीमों का इस्तेमाल किया, पर कोई फर्क नहीं पड़ा। सिर्फ पैसों की बर्बादी के अलावा और कुछ नहीं मिला। एक दिन इनकी सहेली ने इन्हें रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम व हर्बल फेस वॉश के बारे बताया, तो ये झट से उसी दिन मार्किट से इन्हें खरीद लाई। इन्होंने रूप मंत्रा हर्बल फेस वॉश से चेहरे को धोकर सिर्फ आयुर्वेदिक रूप मंत्रा फेयरनैस क्रीम ही चेहरे पर लगाई। इन्हें मात्र एक महीने के प्रयोग से ही चेहरे के पिम्पल्स में काफी फर्क तो दिखा ही, साथ ही इनकी स्किन भी पहले से स्मूद हो गई है।

मैं विवेक पुत्र श्री बलवान सिंह, लतीफ गार्डन, पानीपत (हरियाणा) का रहने वाला हूँ। मैं पेशे से मॉडल हूँ और हर मॉडल की तरह मेरा भी सपना है कि मेरा चेहरा अच्छा दिखे। पर पिछले काफी समय से मेरे चेहरे की स्किन डल होती जा रही थी। फिर एक दिन मेरे दोस्त ने मुझे आयुर्वेदिक रूप मंत्रा कंप्लीट ट्रीटमेंट के बारे में बताते हुए कहा कि यह चेहरे को प्राकृतिक रूप से सुंदर बनाने में मदद करता है। उसके कहे अनुसार मैं बाजार से रूप मंत्रा आयुर्वेदिक फेयरनैस क्रीम एवं हर्बल फेस वॉश ले आया और नियमानुसार इसका इस्तेमाल करने लगा। आज दो माह के इस्तेमाल से ही मुझे खुद को ही ऐसा लग रहा रहा है कि जैसे चेहरा ग्लो कर रहा हो और स्किन भी डल नहीं रही। अब मैं तो अपने सभी दोस्तों को आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही इस्तेमाल करने की सलाह दूंगा।

24x7 Helpline : 0171-3055111 | www.roopmantra.com